Cyrus P Mistry

प्रिय साथी,

नये वर्ष 2016 के आगमन पर मैं आपको एवं आपके परिवार को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ। नया साल आपके लिए स्वास्थ्य एवं खुशहाली लेकर आये मेरी यही प्रार्थना है।

बीते साल के दौरान हमें अनिश्चितता और अस्थिरता के उन सभी तत्वों का अनुभव हुआ, जिनकी उम्मीद हम दुनिया की वर्तमान भू-राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों के बीच करते रहे हैं। इन परिस्थितियों में, जिस प्रकार हमारे समूह की कंपनियाँ एक टिकाऊ और लाभप्रद विकास की ओर आगे बढ़ रही हैं उनके लिए मेरे मन में केवल प्रशंसा के भाव हैं।

चीन की अर्थव्यवस्था के पुनर्संतुलन का असर कई देशों में महसूस किया जा रहा है, और टाटा कंपनियाँ इस परिस्थिति के अनुसार निर्णायक तरीके से और संवेदनापूर्वक खुद को बदल रही हैं; और हालाँकि चीन में हो रहे बदलावों की वजह से व्यवसाय के प्रवाह में विकृति आयी है, चीन के अंदर घरेलू खपत पर ज्यादा जोर दिये जाने से हमारी कंपनियों के लिए अवसरों के नये क्षितिज खुल सकते हैं। इसी तरह, संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत नयी संभावनाओं की ओर इशारा कर रहे हैं और इसी प्रकार भारत व एशिया तथा अफ्रीका के विकासोन्मुखी कारक भी ऐसा ही संकेत दे रहे हैं। नया वर्ष हमारे समूह के लचीलेपन की परीक्षा लेगा और इसके साथ ही विस्तार और नये व्यवसायों की तलाश के नये अवसर भी लेकर आएगा।

ऐसे माहौल में मजबूत और सुरक्षित नेतृत्व के लिए हमें, रणनीतिक एवं संगठनात्मक दोनों ही स्तरों पर, पहले से कहीं ज्यादा फुर्तीला बनना होगा। जैसा कि मैंने पिछले एनुअल ग्रुप लीडरशिप कॉन्फ्रेन्स (एजीएलसी) में कहा था, हमारे लिए नये अवसरों की पहचान करना बेहद आवश्यक है। इसके बाद अग्रगामी उद्यमशीलता की मदद से हमें इन अवसरों को हकीकत में बदलना होगा; ऐसी उपलब्धियाँ हमारे समृद्ध इतिहास व विरासत का हिस्सा रही हैं, जिन्हें हमने प्रयोगधर्मिता और नये जोखिम उठाने को बढ़ावा देनेवाले नेतृत्वकर्ताओं की मदद से हासिल किया है।

हम पूर्व में पहचाने जा चुके कई वास्तविक अवसरों पर महत्वपूर्ण निवेश कर रहे हैं। दो साल पहले 35 बिलियन डॉलर के जिस निवेश कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गयी थी, उसके एक बड़े भाग को क्रियान्वित किया जा चुका है। कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट या तो क्रियान्वित किये जा चुके हैं या फिर लाँच किये जाने की प्रक्रिया में हैं। इनमें शामिल हैं: हाल ही में भारत के राज्य ओडिशा की सेवा में समर्पित टाटा स्टील का कलिंगनगर संयंत्र; जगुआर लैंड रोवर द्वारा लाँच किया गया जगुआर एक्सई एवं लैंड रोवर डिस्कवरी स्पोर्ट; टाटा मोटर्स द्वारा टाटा जिका का अनावरण; टाटा कन्सल्टेन्सी सर्विसेज द्वारा उपक्रमों के लिए दुनिया के पहले न्यूरल ऑटोमेशन सिस्टम इग्निओ का विकास; टाटा एडवान्स्ड सिस्टम्स द्वारा बोइंग, एयरबस, आरयूएजी एविएशन, पिलेटस एवं कोभैम के साथ एयरोस्पेस के क्षेत्र में भागीदारी; और एनुअल ग्रुप लीडरशिप कॉन्फ्रेन्स (एजीएलसी) में घोषित नये डिजिटल उपक्रम, जिनमें शामिल हैं ऑम्नीचैनल मार्केटप्लेस, डिजिटल हेल्थ एवं वेलनेस प्लेटफॉर्म, एवं "बिग डाटा" से संबंधित पहल।

व्यवसाय के क्षेत्र में नये अवसरों का फायदा उठाने के क्रम में, टाटा कंपनियों को उभरती प्रौद्योगिकी, खासकर डिजिटल दुनिया की, के मामले में सबसे आगे बना रहना होगा। उन्हें आपस में और बेहतर नेटवर्क बनाना होगा और इस प्रक्रिया में विभागों, वर्टिकल्स एवं व्यवसायों के बीच की दूरियाँ कम करनी होंगी। ग्रुप टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म इस बात का अच्छा उदाहरण पेश करते हैं कि ऊर्जा, खाद्य एवं स्वास्थ्य, डिजिटल उपभोक्ता उत्पाद और सेवाएँ, और डिजिटल फैक्ट्री एवं फ्लीट जैसे क्षेत्रों में हम आपसी लाभ के लिए एक-दूसरे के साथ कैसे सहयोग कर सकते हैं।

नये रास्तों की तलाश करने की हमारी इस खुली कोशिश में अतीत से लेकर भविष्य तक एक सहज निरंतरता है। हम अपने लिए ऊँचे लक्ष्य तय कर सकते हैं क्योंकि श्री रतन एन टाटा ने हमारे संगठन के भीतर उल्लेखनीय प्लेटफॉर्म और क्षमताएँ विकसित कर रखी हैं। अब जब हम समुदाय को दिल में बसानेवाले एक सफल वैश्विक उद्यम बनने की कामना कर सकते हैं, ऐसा इसीलिए संभव है क्योंकि श्री टाटा ने हमारी कंपनियों की वैश्विक बनने की जरूरत को समझकर उन्हें वैश्विक बनने के लिए प्रोत्साहित किया और हमें यह दिखाया कि साहस और समर्पण के साथ कोशिश करने से काफी कुछ हासिल किया जा सकता है।

सच में, श्री टाटा की प्रेरणा तथा टाटा के लोगों और टाटा की कंपनियों के संकल्प और समर्पण के बल पर हमारे ब्रांड इक्विटी में निरंतर वृद्धि हो रही है। हाल ही में सर्वश्रेष्ठ भारतीय ब्रांडों के लिए किये गये अंतरब्रान्ड अध्ययन ने एक बार फिर टाटा को भारत का नंबर 1 ब्रांड घोषित किया है। इसी प्रकार, सबसे हाल ही में आयी ब्रांड फाइनेंस रिपोर्ट में टाटा को दुनिया के 100 सबसे मूल्यवान ब्रांडों में शामिल किया गया है।

हमारे ब्रांड इक्विटी में हो रही वृद्धि दरअसल अपनी टाटा आचार संहिता में निहित मूल्यों के दृढ़तापूर्वक अनुपालन का परिचायक है। पिछले वर्ष के दौरान इस संहिता को संशोधित किया गया है और अपने सभी सहकर्मियों के बीच इसका प्रसार करने की प्रक्रिया हमें कॉरपोरेट गवर्नेंस और नैतिक आचरण के उच्चतम प्रतिमानों के प्रति स्वयं को फिर से समर्पित करने का एक अवसर प्रदान करता है।

हमारे ब्रांड की प्रतिष्ठा से इस तथ्य की झलक मिलती है कि नये नाम वाले टाटा बिजनेस एक्सेलेन्स ग्रुप के नेतृत्व में हम टाटा बिजनेस एक्सेलेंस मॉडल से कैसे लगातार लाभान्वित हो रहे हैं। यह एक ऐसी कार्यविधि है जिसने टाटा कंपनियों को व्यावसायिक प्रदर्शन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर के प्रतिमान हासिल करने और बरकरार रखने में उनकी मदद की है। यह मॉडल सुरक्षा संबंधी प्रदर्शन के स्तर में और सुधार तथा कॉर्पोरेट दूरदर्शिता, जोखिम प्रबंधन एवं प्रतिस्पर्द्धा से संबंधित सूचना संग्रहण की बेहतर समझ तथा रणनीतिक गुणवत्ता की जरूरत के बारे में हमारे व्यवसायों को अनूठी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

व्यावसायिक उत्कृष्टता का एक महत्वपूर्ण पहलू सस्टेनेबिलिटी के साथ गहरे रूप से जुड़ा है। वर्ष 2015 के अंत में पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु उठाये जानेवाले जरूरी कदमों के बारे में राष्ट्रीय सरकारों के बीच समझौते का साक्षी बना। यदि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ग्रीनहाउस गैस वहन करने की पृथ्वी की क्षमता असहनीय तापमान वृद्धि की वजह से बाधित न हो तो यह जरूरी है कि सभी देश इस मसले के समाधान हेतु मिलजुलकर प्रयास करें।

मौसम में अत्यधिक उतार-चढ़ाव सामान्य जीवन को पहले ही काफी प्रभावित कर रहा है और इसकी बजह से व्यावसायिक जोखिम कई गुना बढ़ गये हैं। हमने हाल ही में भारत के चेन्नई एवं यूनाइटेड किंगडम के कम्ब्रिया जैसे स्थानों पर इसे देखा है। पूरी दुनिया की सरकारों द्वारा पेरिस में जिन कदमों के लिए प्रतिबद्धता जतायी गयी है उनका हम उद्योग के लोगों को समर्थन करना चाहिए, इसके लिए अपने ऑपरेशन्स एवं उत्पादों-सेवाओं को ज्यादा पर्यावरण-स्नेही बनाना चाहिए और अपने सेवा क्षेत्र के समुदायों को उपभोग के संपोषणीय तरीके अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

टाटा में, हम इस जिम्मेवारी को बहुत गंभीरता से समझते हैं। हमारे संस्थापक, जमशेतजी टाटा का यह दृढ़ विश्वास था कि 'समुदाय व्यवसाय का महज एक और साझीदार नहीं बल्कि उसके अस्तित्व का असली मकसद होता है', और 'भरोसायुक्त नेतृत्व पर आधारित मूल्य सृजन के जरिए पूरे विश्व में अपने सेवाक्षेत्र के समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने' के अपने समूह के मिशन के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता है।

सच में, टाटा सस्टेनेबिलिटी माह के दौरान जून में हमने जो संपोषणीयता नीति या सस्टेनेबिलिटी पॉलिसी अपनायी है उसके तहत प्रत्येक टाटा कंपनी "अपने व्यवसाय में पर्यावरण संबंधी, सामाजिक और नैतिक सिद्धांतों को समेकित करने हेतु" प्रतिबद्ध है। मुझे पूरा विश्वास है कि सस्टेनेबिलिटी के हमारे विशेषज्ञों एवं पर्यावरण के बारे में ज्यादा जागरुक नेताओं, जिन्हें 680 से भी ज्यादा प्रशिक्षित क्लाइमेट एवं वाटर चैम्पियनों का सहयोग हासिल है, की मदद से एवं प्रौद्योगिकी तथा इनोवेशन के उपयुक्त इस्तेमाल से हमारी कंपनियाँ दुनिया भर में ग्राहकों और समुदायों के लिए पसंदीदा साझीदार बनेंगी।

जलवायु परिवर्तन जैसी नयी चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में, हमें अपने सेवाक्षेत्र के ग्राहकों एवं समुदायों की जरूरतों के बारे में गहरी समझ विकसित करने के लिए पहले से कहीं ज्यादा मेहनत करनी होगी। ऐसा होने पर ही हम अनूठे उत्पाद और सेवाएँ उपलब्ध करा पाएँगे और अपने ग्राहकों एवं समुदायों को आनंदपूर्ण अनुभव दे पाएँगे।

हमें प्रगति की राह में अल्पकालिक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन मैंने यह देखा है कि एक परिवार के रूप में हमने कठिनाइयों पर विजय पाने और अपने हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य-सृजन के दायित्व के निर्वाह में जुटे रहने में हमेशा सफलता पायी है। प्रिय साथी, अपने संगठन के संपोषणीय एवं लाभप्रद विकास हेतु अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों के जरिए इसे संभव बनाने के लिए मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूँ।

एक बार फिर, मैं आपको एवं आपके परिवार को नये वर्ष की ढेरों शुभकामनाएँ देता हूँ।

सस्नेह,

साइरस पी मिस्त्री